ओपा बिक — परिवार

जिलेट नैरेटिव — नांदो, लेखक

gillettenarrative.com

मैं घर में दाखिल हुआ और अपनी पत्नी को मुस्कुराते हुए पाया।

फिर मैंने अपने साले और उसकी पत्नी को देखा, दोनों मुस्कुरा रहे थे।

आखिर में मैंने अपने बेटों को देखा, जो अपनी पत्नियों के साथ वेनिस से आए थे, सब भी मुस्कुरा रहे थे।

और मेरे पास ही खड़ी थी मेरी बेटी।

वही एकमात्र थी जो मुस्कुरा नहीं रही थी।

उन्होंने मुझसे बैठक में एक आरामकुर्सी पर बैठने को कहा, मानो मैं अपने ही घर में मेहमान होऊँ, और मेरे लिए एक कॉफ़ी ले आए।

हर कोई मुस्कुरा रहा था।

एक पल के लिए मुझे लगा कि हमने लॉटरी जीत ली है।

पर मैंने कभी जुआ नहीं खेला।

मैं तो जन्म से ही खुशकिस्मत था।

करीब दस मिनट बीत गए और कोई नहीं बोला।

मैंने शौचालय जाने की इजाज़त माँगी, पर वह अनुरोध ठुकरा दिया गया।

आखिर ऐसा क्या हो रहा था जिससे मैं अनजान था?

इंटरकॉम बजा।

जॉर्जिया ने जवाब दिया और फिर अपनी माँ की ओर मुड़ी।

“वही है। वह आ चुकी है।”

जब इमारत का मुख्य दरवाज़ा खुला—और चूँकि हम पहली मंज़िल पर रहते थे—मेरी नाक ने एक जाना-पहचाना इत्र पकड़ लिया।

मैं उसे पहचानता था।

पर वह यहाँ क्यों थी?

वह घर में दाखिल हुई और मेरी पत्नी का एक सादे-से “चाओ” के साथ अभिवादन किया।

इतना भर ही मुझे बता गया कि यह उनकी पहली मुलाकात नहीं थी, और महज़ कुछ ही सेकंड बाद मुझे इसकी पुष्टि मिल गई।

“नमस्ते, नांदो। क्या तुम्हें मेरी चिट्ठी मिली? क्या तुमने होटल का बिल चुकाया? याद रखो: यह अभी खत्म नहीं हुआ है।”

उस कमरे के भीतर उससे ज़्यादा लोग थे जितने मैंने कुछ अंत्येष्टियों में देखे थे, फिर भी मैं ज़िंदा था। हालाँकि शायद बस थोड़ी देर और के लिए।

मेरी पत्नी ने मुझसे कहा कि शांत रहूँ, आराम से बैठूँ और सुनूँ।

“तुम नहीं जानते कि शनेल असल में है कौन।

तुम समझते हो कि वह एक मध्यस्थ है, एक फ्रांसीसी सहयोगी, वह औरत जो पेरिस में तुम्हारे और उन छह शेयरधारकों के साथ थी, जिसने तुम्हारे लिए संपर्क बनाए, जो तुम्हारी हर हरकत पर नज़र रखती रही, जिसने तुम्हें अंतरंग रूप से उकसाया और जिसे कभी कोई जवाब न मिला।

पर तुम नहीं जानते कि वह असल में है कौन।”

बाप रे, मैंने सोचा।

मेरे इर्द-गिर्द यह किस तरह की पटकथा लिख दी गई है?

“वह मुख्य शेयरधारक की बेटी है, वही औरत जिसकी माँ के साथ तुमने घंटों बातें की थीं।

वह पूरे वक्त पर्दे के पीछे बनी रही।

वह देखती रही।

वह सुनती रही।

वह आरक्षित शक्ति थी।

और अब उन्होंने आखिरी पत्ता खेल दिया है।

सातवाँ।

हम सब कुछ जानते हैं।

वह अविश्वसनीय प्रस्ताव जो उन्होंने तुम्हें दिया।

तुम्हारा इनकार।

और एक बात है जो हम सब मिलकर तुमसे कहना चाहते हैं।"

हमें तुम पर गर्व है

मेरी पत्नी ने आगे कहा:

"मैंने शनेल को समझाया कि शादी के तैंतीस साल बाद भी मैं आज तक तुमसे कोई ऐसा काम नहीं करवा पाई जो तुम करना नहीं चाहते।

तुम ज़िद्दी हो, मुश्किल हो, और कभी-कभी नामुमकिन।

पर तुम एक चरित्रवान और उसूलों वाले इंसान भी हो।

पैसा कभी तुम्हारी समस्या नहीं रहा।

सब कुछ एक याद को सहेजने के तरीके के रूप में शुरू हुआ था, कोई कारोबार खड़ा करने के लिए नहीं।

वरना उसने यह परियोजना नुक्कड़ के अख़बार बेचने वाले को ही बेच दी होती।

वह मेरे पति के लिए अमेज़न से ज़्यादा चुकाता है, हालाँकि मुझे पक्का नहीं कि उसका बेज़ोस से कोई रिश्ता है या नहीं।"

सब हँस पड़े।

जैसे-जैसे यह जमावड़ा अपने अंत की ओर बढ़ा और शनेल दरवाज़े की तरफ़ बढ़ी, वह एक बार फिर मुड़ी।

"मुझे बताओ, नांदो।

तुमने पेरिस में सुरक्षा टीम को क्यों खो दिया और हमें कभी क्यों नहीं जानने दिया कि तुम कहाँ ठहरे हो?

खासकर यह देखते हुए कि तुम्हारा नाम किसी भी फ्रांसीसी होटल में दर्ज नहीं था?"

मैं मुस्कुराया।

“सिर्फ़ एक वजह से।

मुझे खुद को सात औरतों से बचाना था।

क्योंकि वही मेरी कमज़ोरी हैं।”

फर्दिनांदो

आर्काइव | फर्दिनांदो फ्रेगा — नांदो, लेखक | © 2026 Gillettenarrative.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।